भारतः धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद

लेखक– वी.डी. श्रीवास्तव

Scanned with OKEN Scanner

भारतः धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद

(ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित)

(वी.डी. श्रीवास्तव)

प्रकाशक :

श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद

टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001

Scanned with OKEN Scanner

भारत: धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद

बी.डी. श्रीवास्तव

@ सर्वाधिकार लेखकाधीन

प्रकाशक
श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद
टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001
(अत्यवसायिक प्रकाशन)

प्रथम संस्करण	2016 ई.
प्रतियाँ	500
मूल्य	रू. 80
मुद्रक	सुनील प्रिंटिंग प्रेस टीकमगढ़ (म.प्र.)

Bharat Dharm Sanskriti Tatha Rastravad By - B.D.

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय	पेज नम्बर
1.	प्राक्कथन - वी.डी. श्रीवास्तव	05
2.	भूमिका- वीरेन्द्र बहादुर खरे	06
3.	भारतः धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद	10
4.	भारतः	13
5.	भारत का विस्तार	14
6.	चक्रवर्ती भरत और भरत वंश	17
7.	महाकाव्य काल – महाभारत युद्ध	22
8.	जनपदों का समाज	29
9.	भारत और विदेशी आक्रमण	32
10.	मध्यकालीन भारत	42
11.	मुगल काल	47
12.	स्वतंत्र भारत	49
13.	प्रजातांत्रिक प्रणाली और भारत	53
14.	आतंकवाद और नक्सलवाद	64
15.	परिशिष्ट	65

Scanned with OKEN Scanner

स्थापना- 15 अप्रैल 1930 ई.

ओरछेश वीरसिंह जूदेव
(द्वितीय)

श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद्

टीकमगढ़ (म.प्र.)

आचार्य केशवदास मिश्र
(ओरछा)

हरिविष्णु अवस्थी
अध्यक्ष
9407873003

डॉ. के.पी. त्रिपाठी
उपाध्यक्ष
07383-244528

वीरेन्द्र बहादुर खरे
उपाध्यक्ष
9753442700

एन.डी. सोनी
महा सचिव
9993750271

अजीत श्रीवास्तव
सचिव
8827192845

आर.एम. शर्मा
कोषाध्यक्ष

प्रकाशकीय

बहुआयामी प्रतिभा के धनी श्री वी.डी. श्रीवास्तव जी की अध्ययनशीलता छियासी वर्ष की आयु में भी निरन्तर जारी है। तुलसी साहित्य, गांधीवाद, आध्यात्म, इतिहास आदि आपके अध्ययन के प्रिय विषय रहे हैं और हैं।

तुलसी साहित्य पर आपकी कृति 'तुलसीचर्चा' गांधीवाद पर 'गांधी' तथा आध्यात्म पर 'नानक दुखिया सब संसारा' परिषद पूर्व में प्रकाशित कर चुकी हैं। इतिहास विषयक कृति 'भारत: धर्म, संस्कृति तथाराष्ट्रवाद' यह चौथी कृति प्रकाशित कर परिषद अपार हर्ष का अनुभव करती है।

भारत धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद कृति की भूमिका इतिहास के अधिकारी विद्वान श्री वीरेन्द्र बहादुर जी खरे पूर्व प्राचार्य डाइट कुण्डेश्वर (टीकमगढ़) ने लिखकर कृति को प्रभुविष्णुता प्रदान करने में श्लाघनीय योगदान दिया है।

पुस्तक सभी आस्थावान, धर्मवान, विचारवान, बुद्धिजीवी एवं सद्गृहस्थ पाठकों का सम्बल बनेगी। इस दृढ़ विश्वास के साथ ... ।

हरिविष्णु अवस्थी
अध्यक्ष

सम्पर्क - अवस्थी चौराहा, टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001 दूरभाष : 07683-242530

Scanned with OKEN Scanner

परिचय

वी.डी. श्रीवास्तव

जन्मतिथि	:	30 अगस्त 1930
शिक्षा	:	स्नातक
सम्प्रति	:	कार्यालय अधीक्षक (सेन्ट्रल रेल्वे) के पद से सेवानिवृत्त
कृतियाँ	:	1. Turms and phrases used in the Bhagwad Gita & in the books of Yoga 2. Perceiving the divine powers manifest and unmanifest 3. तुलसी चर्चा 4. 'गाँधी जी' The Symbol of Simplicity and Greatness 5. नानक दुखिया सब संसार 6. भारत: धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद (आपके हाथों में)
संपर्क	:	1268, खाती बाबा सरकारी ट्यूबवेल के पास, झांसी (उ.प्र.) मोबाइल नं. 09838632987

Scanned with OKEN Scanner